मेरे भैया मेरे चंदा मेरे अनमोल रतन

भैया मेरे राखी के बंधन को निभाना
भैया मेरे, छोटी बहन को ना भुलाना
देखो ये नाता निभाना, निभाना
भैया मेरे राखी...

ये दिन ये त्यौहार खुशी का, पावन जैसे नीर नदी का
भाई के उजले माथे पे, बहन लगाए मंगल टीका
झूमे ये सावन सुहाना
भैया मेरे राखी के बंधन को निभाना...

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

बाँध के हमने रेशम डोरी, तुमसे वो उम्मीद है जोड़ी
नाज़ुक है जो सांस के जैसे, पर जीवन भर जाए न
तोड़ी जाने ये सारा ज़माना
भैया मेरे राखी के बंधन को निभाना…

शायद वो सावन भी आए, जो पहला सा रंग न लाए
बहन पराए देश बसी हो, अगर वो तुम तक पहुँच न
पाए याद का दीपक जलाना
भैया मेरे राखी के बंधन को निभाना…

हिन्दीपथ.कॉम